GOVT P.G. COLLAGE KHARGONE

DEPARTMENT OF HINDI

OUTCOMES

PROGRAMME OUTCOMES : B.A. HINDI

Department of Hindi :- A fter successful completion of three year degree program in Hindi student should be able to

PO-1. छात्रों को हिन्दी भाषा के उद्भव, विकास तथा विभिन्न रूपों एवं बोलियों का ज्ञान प्राप्त हुआ।

PO-2. छात्रों को हिन्दी साहित्य के इतिहास के लेखन परम्परा के संबंध में जानकारी प्राप्त हुई।

PO-3. छात्रों को भाषा विज्ञान के माध्यम से हिन्दी भाषा के व्यवस्थित प्रयोग का ज्ञान प्राप्त हुआ ।

Programme Outcomes:-

PO-1. छात्रों को हिन्दी गद्य और पद्य का विभिन्न साहित्य विधाओं से परिचित हुए।

PO-2. छात्रों को हिन्दी भाषा और साहित्य को समझने और मूल्यांकन क्षमता का निर्माण हुआ।

PO-3. छात्रों को सरकारी कार्यालयों मे प्रयुक्त हिन्दी भाषा का परिचय प्राप्त हुआ।

PO-4. पटकथा लेखन विज्ञापन लेखन प्रकाशक, संपादक, संवाददाता, दुभाषिया प्रुफ शोधक आदि की जानकारी प्राप्त हुई।

Course Outcome B.A. Hindi

Couse outcome

CO-1. छात्रों को साहित्य के विभिन्न विधाओं के माध्यम से भावात्मक विकास हुआ।

<u>हिन्दी सामान्य</u>

CO-1. छात्रों में राष्ट्रीय एवं सामाजिक उत्तरदायित्व आदि मूल्यों की प्रतिष्ठा हुई।

CO-2. छात्रों में राष्ट्रीय भाषा हिन्दी मानक लिपि का प्रचार-प्रसार हुआ।

<u>S. Y. B.A.</u>

CO-1. छात्रों को हिन्दी के कहानीकार एवं कवियों तथा नई कविता की विशेषताओं का परिचय प्राप्त हुआ।

CO-2. छात्रों का पारिभाषिक शब्द युग्म का ज्ञान प्राप्त हुआ।

CO-3. छात्रों को भाषा के स्वरूप, परिभाषा विशेषताओं एवं राजभाषा हिन्दी के संवैधानिक स्वरूप का ज्ञान प्राप्त हुआ ।

<u>हिन्दी भाषा का विकास:-</u>

CO-1. छात्रों में भाषा विज्ञान के वैज्ञानिक अध्ययन एवं विभिन्न बोलियों का परिचय प्राप्त हुआ।

CO-2. छात्रों को लिपि का स्वरूप, उत्पत्ति, विकास तथा इतिहास का ज्ञान प्राप्त हुआ।

<u>उपन्यास नाटक :-</u>

CO-1. छात्रों को हिन्दी नाटक उपन्यास स्वरूप तत्व आदि मानदंडो के आधार पर समीक्षा की क्षमता का निर्माण हुआ।

CO-2. छात्रों को संत एवं भक्तो के काव्य एवं कवियों के कृतियों व शिल्प एवं सोन्दर्य को देखने की दृष्टि विकसित हुई।

T. Y. B.A.

हिन्दी सामान्य :-

CO-1. छात्रों को हिन्दी की आत्मकथा कविता एवं काव्य नाटक के विकास एवं सरकारी पत्र लेखन की विभिन्न विधियों का ज्ञान प्राप्त हुआ।

CO-2. छात्रों को पत्रकारिता के विभिन्न पहलुओं, अनुवाद करने का कौशल विकसित हुआ।

हिन्दी साहित्य का इतिहास (S III):–

CO-1. छात्रों को हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन परम्परा कालखण्ड एवं उनके नामकरण का परिचय प्राप्त हुआ।

CO-2. छात्रों को हिन्दी साहित्य के प्रतिनिधि रचनाकारों का महत्व, प्रभाव आदि का ज्ञान प्राप्त हुआ।

CO-3. छात्रों को आधुनिक युग सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक साहित्यिक परिस्थिति का ज्ञान प्राप्त हुआ।

काव्यशास्त्र (S-IV)

CO-1. छात्रों को काव्यशास्त्र के स्वरूप काव्य प्रयोजन काव्य के तत्व, शब्द, शक्तियों का ज्ञान प्राप्त हुआ।

CO-2. छात्रों को रस के स्वरूप, भेद, अंग, शास्त्रीय ज्ञान प्राप्त हुआ।

CO-3. छात्रों में नाटक और एकांकी के रसास्वादन आलोचना का स्वरूप तथा आलोचक के गुण का ज्ञान प्राप्त हुआ।

GOVT P.G. COLLAGE KHARGONE

DEPARTMENT OF HINDI

OUTCOMES

PROGRAMME OUTCOMES : M.A. HINDI

Department of Hindi :- A fter successful completion of three year degree program in Hindi student should be able to

Programme Outcomes:-

PO-1. छात्रों को हिन्दी साहित्य के विभिन्न रूपों, विधाओ, प्रवृत्तियों, रचनाओं, रचनाकारो का परिचन प्राप्त हुआ।

PO-2. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र और भाषा अध्ययन, मूल्यांकन की क्षमता का विकास हुआ।

PO-3. छात्रों में हिन्दी साहित्य के माध्यम से नैतिक मूल्य, राष्ट्रीय मूल्य तथा सामाजिक मूल्य आस्था आदि का निर्माण हुआ।

PO-4. छात्रों को सरकारी कार्यालय में प्रयुक्त हिन्दी भाषा का परिचय प्राप्त हुआ।

PO-5. छात्रों में अनुसंधान, अनुवादक दुभाषिक करने एवं बनने की क्षमता का निर्माण हुआ।

Programme Specific Outcomes:-

PSO-1. हिन्दी भाषा का व्यवस्थित यथोचित भावात्मक और सौन्दर्यात्मक विकास हुआ।

PSO-2. मूल्य संवर्धन नैतिक, राष्ट्रीय, सामाजिक मूल्यों का संवर्धन ।

PSO-3. NET/SET परीक्षा संबंधी जानकारी प्राप्त हुई।

PSO-4. अध्यापक, प्राध्यापक,हिन्दी अधिकारी, हिन्दी सलाहकार, हिन्दी निदेशक आदि की जानकारी प्राप्त हुई।

Course Outcome M.A. Hindi

M.A. – 1 (SEMESTER - 1)

Couse outcome

A fter successful completion of three year degree program in Hindi student should be able to

1. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र

CO-1. छात्रों में भारतीय काव्यशास्त्र, साहित्यशास्त्र, मौलिक चिंतन की क्षमता विकसित हुई।

CO-2. छात्रों में साहित्यशास्त्र के सिध्दांत एवं समीक्षात्मक ज्ञान प्राप्त हुआ।

CO-3. छात्रों को साहित्यशास्त्र के सिध्दांतो का ज्ञान प्राप्त हुआ।

CO-4. छात्रों को साहित्य और साहित्यशास्त्र के सहसंबंधों का ज्ञान प्राप्त हुआ।

CO-5. छात्रों में मौलिक चिंतन की क्षमता विकसित हुई।

1. प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य तथा उसका इतिहास

CO-1. छात्रों को प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य-कृतियों तथा आदिकाल, भक्तिकाल के साहित्य की प्रवृत्तियों की जानकारी प्राप्त हुई ।

CO-2. छात्रों में काव्य के प्रति समीक्षात्मक प्राचीन तथा मध्य युग की भाषा का ज्ञान प्राप्त हुआ।

CO-3. छात्रों को प्राचीन तथा मध्य युग की काव्य परम्परा गद्य की प्रमुख विधाओं के स्वरूप का परिचय प्राप्त हुआ।

CO-4. छात्रों में काव्य के प्रति समीक्षात्मक दृष्टि विकसित हुई ।

CO-5. छात्र प्राचीन तथा मध्य यगुग की भाषा से अवगत हुए।

1. आधुनिक हिन्दी गद्य और उसका इतिहास

CO-1. छात्रों को गद्य की प्रमुख विधाओं के स्वरूप का परिचय, विकास क्रम की जानकारी प्राप्त हुई।

CO-2. छात्रों में गद्य साहित्य के मूल्यांकन रचना और समीक्षा की क्षमता विकसित हुई।

CO-3. छात्रों में गद्य साहित्य के मूल्यांकन का क्षमता निर्माण हुआ।

CO-4. छात्रों में रचना के आस्वादन और समीक्षण की क्षमता विकसित हुई।

CO-5. मध्यकालीन कवि और काव्य रचना से परिचय।

1. प्रयोजन मूलक हिन्दी

CO-1. छात्रों में हिन्दी के विभिन्न रूपों, विधाओं, प्रवृत्तियों एवं रचनाओं का परिचय प्राप्त हुआ।

CO-2. छात्रों में अनुवादक दुभाषिय प्रकाशक बनने का परिचय प्राप्त हुआ ।

CO-3. संपादक, संवाददाता, अनुवादक, पटकथा लेखक प्रुफ शोधक बनने का परिचय प्राप्त हुआ।

CO-4. छात्र पत्र लेखन प्रारूपण आदि लिखने का परिचय प्राप्त हुआ।

CO-5. छात्र आदेश परिपत्र ज्ञापन आदि लिखने का परिचय प्राप्त हुआ।

M.A. – 1 (SEMESTER - II)

1. <u>भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र</u>

CO-1. छात्रों को पाश्चात्य साहित्यशास्त्र का परिचय प्राप्त हुआ।

CO-2. छात्रों को पाश्चात्य साहित्यशास्त्र की समीक्षा महत्व आलोचना की विभिन्न प्रणालियों का ज्ञान प्राप्त हुआ।

CO-3. छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टिकोण विकसित हुआ।

CO-4. छात्रों को पाश्चात्य साहित्यशास्त्र का ज्ञान प्राप्त हुआ।

CO-5. छात्रों को भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्यशास्त्र का परिचय प्राप्त हुआ।

2. <u>प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य तथा उसका इतिहास</u>

CO-1. छात्रों को मध्य युग की साहित्यिक गतिविधियों कृतियों के समीक्षा आदि की जानकारी प्राप्त हुई।

CO-2. छात्र घनानंद भूषण की काव्य कृतियों प्रमुख विधाओं के तात्विक स्वरूप से परिचित हुए।

CO-3. छात्रों को सूरदास के व्यक्तित्व और कृतित्व का परिचय प्राप्त हुआ।

CO-4. छात्रों में कृतियों के समीक्षा को दृष्टि विकसित हुई।

CO-5. छात्र गद्य की प्रमुख विधाओं के तात्विक स्वरूप परिभाषा से परिचित हुए।

3. <u>आधुनिक हिन्दी गद्य और उसका इतिहास</u>

CO-1. छात्रों को गद्य की प्रमुख विधाओं के स्वरूप का परिचय, विकास क्रम की जानकारी प्राप्त हुई।

CO-2. छात्रों में गद्य साहित्य के मूल्यांकन रचना और समीक्षा की क्षमता विकसित हुई।

CO-3. छात्रों में रचना के आस्वादन और समीक्षा की क्षमता विकसित हुई।

CO-4. छात्रों में एतिहासिक विकास के परिपेक्ष्य में रचना विशेष के महत्व को समझने और मूल्यांकन की क्षमता विकसित हुई।

CO-5. छात्र गद्य की नाटक और निबंध विधा से परिचित हुए।

4. <u>पत्रकारिता और मीडिया लेखन</u>

CO-1. छात्रों को पत्र लेखन एवं मीडिया से संबंधित जानकारी प्राप्त हुई ।

CO-2. छात्रों को अनुवाद की प्रक्रिया सामाजिक और सांस्कृतिक पक्ष से अवगत कराया।

CO-3. छात्रों को अनुवाद का स्वरूप परिभाषा, महत्व की जानकारी प्राप्त हुई।

CO-4. छात्र कम्प्युटर का अद्यतन परिचय प्राप्त हुआ।

CO-5. छात्र प्रमुख संचार माध्यम रेडियों, टी.वी. वीडियों तथा इन्टरनेट, ई-मेल की समीक्षा ।

M.A. – II (SEMESTER - III)

1. आधुनिक हिन्दी काव्य और उसका इतिहास

CO-1. छात्रों को आधुनिक हिन्दी काव्य की प्रवृत्तियों का परिचय प्राप्त हुआ।

CO-2. छात्रों को प्रबंध काव्य और मुक्तक काव्य के तात्विक स्वरूप का ज्ञान प्राप्त हुआ।

CO-3. छात्रों को आधुनिक काव्य प्रकारों का परिचय प्राप्त हुआ।

CO-4. छात्रों को आधुनिक काव्य प्रकार प्रकारों का परिचय प्राप्त हुआ।

CO-5. छात्रों में काव्य के आस्वदन, अध्ययन और मूल्यांकन की यथोचित दृष्टि विकसित हुई।

2. भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

CO-1. छात्रों को भाषा विज्ञान के स्वरूप, अंग एवं शाखाओं का ज्ञान प्राप्त हुआ।

CO-2. छात्रों को भारतीय आय भाषाओं के विकास क्रम को जानकारी प्राप्त हुई।

CO-3. छात्रों में भाषा में प्रयोग के संबंध में समुचित ज्ञान प्राप्त हुआ।

CO-4. छात्र हिन्दी शब्द सम्पदा एवं विभिन्न भाषाओं से आगत शब्दो से परिचय हुआ।

CO-5. छात्र वर्ण विन्यास (व्याकरणपरक) जानकारी प्राप्त की।

3. हिन्दी साहित्य का इतिहास

CO-1. छात्रों को साहित्यिक प्रवृत्तियों का ज्ञान प्राप्त हुआ।

CO-2. छात्रों को हिन्दी साहित्य के इतिहास के काल विभाजन और नामकरण के संबंध में जानकारी प्राप्त हुई।

CO-3. छात्र आदिकाल, भक्तिकाल तथा रीतिकाल के प्रतिनिधि कवियों से परिचित हुए।

CO-4. छात्रों में साहित्य और युग जीवन का संबंध विशद करने की क्षमता निर्माण हुई।

CO-5. छात्रों को आधुनिक युग की सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक साहित्यिक परिस्थितियों का ज्ञान प्राप्त हुआ।

4. सूरदास

CO-1. छात्रों को सूरदास के व्यक्तित्व और कृतित्व का परिचय प्राप्त हुआ।

CO-2. छात्र सूरदास की काव्यगत शक्ति और सीमाओं से परिचित हुए।

CO-3. छात्र सूरदास के काव्य की प्रासंगिकता से अवगत हुए।

CO-4. छात्र सूरदास के जीवन की प्रासंगिकता से अवगत हुए।

CO-5. छात्रों को सूरदास की भाषा शैली का परिचय प्राप्त हुआ।

M.A. – II (SEMESTER - IV)

1. आधुनिक हिन्दी काव्य और उसका इतिहास

CO-1. छात्रों को आधुनिक काव्य की विभिन्न प्रवृत्तियों का परिचय प्राप्त हुआ।

CO-2. छात्रों को आधुनिक काल के काव्य के तात्विक स्वरूप का ज्ञान प्राप्त हुआ।

CO-3. छात्रों को आधुनिक काव्य प्रकारों का ज्ञान प्राप्त हुआ।

CO-4. छात्रों मे काव्य के आस्वादन, अध्ययन और मूल्यांकन की दृष्टि विकसित हुई।

CO-5. छात्रों में काव्य के प्रति रूचि वृध्दिंगत हुई ।

2. भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

CO-1. छात्रों को भाषा विज्ञान के स्वरूप, अंग एवं शाखाओं का ज्ञान प्राप्त हुआ।

CO-2. छात्रों को भारतीय आर्य भाषाओं के विकास क्रम को जानकारी प्राप्त हुई।

CO-3. छात्रों में भाषा में प्रयोग के संबंध में समुचित ज्ञान प्राप्त हुआ ।

CO-4. छात्रों को भाषा की विभिन्न प्रवृत्तियों की जानकारी प्राप्त हुई।

CO-5. छात्र हिन्दी शब्द सम्पदा एवं विभिन्न भाषाओं को जाना ।

3. हिन्दी साहित्य का इतिहास

CO-1. छात्रों को हिन्दी गद्य के अविभाव के कारणों एवं परिस्थितियों का परिचय प्राप्त हुआ।

CO-2. छात्रों को हिन्दी गद्य के विकासक्रम का परिचय प्राप्त हुआ।

CO-3. छात्रों को गद्य की विषयवस्तु, भाषा शैली, विचारधारा, प्रभाव आदि का ज्ञान प्राप्त हुआ।

CO-4. छात्र आधुनिक काल के साहित्य की उपलब्धियों तथा सीमाओं से अवगत हुए।

CO-5. छात्रों को आधुनिक गद्यकारों एवं कवियों का परिचय प्राप्त हुआ।

4. सूरदास

CO-1. छात्रों को सूरदास के व्यक्तित्व और कृत्तिव का परिचय प्राप्त हुआ।

CO-2. छात्र सूरदास की काव्यगत शक्ति और सीमाओं से परिचित हुए।

CO-3. छात्र सूरदास के काव्य की प्रासंगिकता से अवगत हुए।

CO-4. छात्र सूरदास के वात्सल्य वर्णन की जानकारी प्राप्त की।

CO-5. छात्र सूरदास के कृति भ्रमरगीत की जानकारी प्राप्त की।

Programme Specific Outcomes:-

PO-1. मूल्य संवर्धन नैतिक, राष्ट्रीय, सामाजिक मूल्यों का संवर्धन राष्ट्रीय समानता, बंधुता और वैज्ञानिकता का विकास हुआ।

PO-2. हिन्दी भाषा का व्यवस्थित और यथोचित ज्ञान

PO-3. भावात्मक और सोर्दियात्मक विकास

PO-4. निवेदन और सूत्र संचालक

PO-5. पटकथा लेखन, संवाद लेखक, विज्ञापन लेखक

PO-6. प्रकाशक, संपादक, संवाददाता

PO-7. दुभाषिया, अनुवादक, प्रुफ शोधक

PO-8. एम.ए., बी.एड, पत्रकारिता, अनुवाद और दूरसंचार : पदविका और पदवी

PO-9. मूल्य संवर्धन : नैतिक, राष्ट्रीय, सामाजिक मूल्यों का संवर्धन

PO-10. राष्ट्रीय एमात्मता, समानता, बंधुता, उत्तरदायित्व और वैज्ञानिक विकास

PO-11. नगरों सेवा परीक्षा

PO-12. पटकथा लेखन में रूचि

PO-13. विज्ञापन लेखन में रूचि

PO-14. समाचार प्रकाशक

PO-15. संपादक बनने में रूचि

PO-16. संवाददाता मे रूचि

PO-17. दुभाषिया (दोनो भाषाओं का ज्ञान)

PO-18. प्रुफ शोधक (त्रुटि सुधार)

PO-19. आकाशवाणी प्रसारण में रूचि

PO-20. मीडिया लेखन में रूचि